



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 94] नई दिल्ली, मंगलवार, मई 20, 1975/वैशाख 30, 1897

No. 94] NEW DELHI, TUESDAY, MAY 20, 1975/VAISAKHA 30, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 20th May 1975

No. 26-ETC(PN)/75.—Reference is invited to Public Notice No. 20-ETC(PN)/75, dated 1st May, 1975, announcing the scheme for licensing of Indian Cotton Textiles to United Kingdom during the licensing year ending 31st December, 1975. After para 6 of the said Public Notice, the following paras may be added :—

- “6(a) Pending adoption of the procedure as mentioned in para 6 namely, clearance of cotton textiles exported from India to the U.K. by the competent of U.K. authorities on presentation of green certificates issued by the Cotton Textiles Export Promotion Council, Bombay and its upcountry representatives, the procedure as followed for exports of cotton textiles to the U.K. upto 30th April, 1975, namely, procedure of submission of export certificates as detailed below shall continue :—
- (i) Exporters should prepare export certificates in the prescribed proforma in duplicate. One copy of the certificate duly certified by the Export Control Authorities at the port of shipment and duly countersigned by the Customs shall be retained at the port of shipment after the shipment has actually been passed, which shall be collected from the Customs by the representative of the Cotton Textiles Export Promotion Council. The certificate thus collected by Texprocil shall be forwarded to the Import Licensing Branch of the Department of Trade and Industry, London. Under no circumstances

shall the export certificates be forwarded by the exporters directly. The second copy of the similarly certified and authenticated export certificate shall be retained by the exporters. The exporters or their shipping agents should ensure that the original export certificate is retained by Preventive Officer concerned after the shipment has been effected. However, in respect of shipments against Re-export quotas, the Shippers are not required to prepare export certificate as the same is not required by the Department of Trade and Industry, London, against imports meant for re-export.

- (ii) In respect of air-consignments effected from Bombay, the exporters shall prepare the export certificate in triplicate. The third copy of the certificate duly certified by the Export Control Authorities shall be handed over to the Texprocil's representative for forwarding to the Import Licensing Branch of the Department of Trade and Industry, London. The original and duplicate of the export certificate shall, then be submitted to the air customs department in the usual manner as explained at paragraph (i) above.
- (iii) In respect of air-consignments effected from places other than Bombay the exporters shall prepare the export certificate as per the prescribed proforma in triplicate. After obtaining quota endorsement on the shipping bills from the Texprocil's representative they shall retain third copy of the export certificates with the Texprocil's representative for forwarding to the Import Licensing Branch of the Department of Trade and Industry, London. The exporters shall then submit the original and duplicate of the export certificate to the Export Control Authorities and the air customs at the respective ports in the usual manner as explained at paragraph (i) above.
- 6(b) In the cases of exports against Re-export (RE) Undertakings, the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, shall issue Re-export licences on the basis of quota certificates issued by the Cotton Textiles Export Promotion Council, Bombay. These quota certificates shall be issued by Texprocil on receipt of a copy of the U.K. Ministry of Technology Re-export undertaking from the exporters.
- 6(c) In cases where the quota originally intended for home retention is re-exported, the exporters shall have to furnish the replacement certificate issued by the U.K. Ministry of Technology, on the basis of which a subsequent re-export (SR) quota certificate will be issued by Texprocil. Licences against such SR quota certificates shall be issued by the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Bombay.

B. D. KUMAR,

Chief Controller of Imports & Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 20 मई, 1975

सं० 26-ई० टी० सी० (पी० एन०)/75.—सार्वजनिक सूचना संख्या 20 ई० टी० सी० (पी० एन०)/75 दिनांक 1-5-75 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिसमें 31 दिसम्बर, 1975 को अन्त होने वाले साइसेंस वर्ष के दौरान यू० के० की भारतीय सूती वस्त्रों के लिए साइसेंस दिए जाने की योजना घोषित की गई है। उक्त सार्वजनिक सूचना के पैरा 6 के बाद निम्नलिखित पैरा जोड़े जाएँ :-

“6(क) पैरा 6 में यथा उल्लिखित प्रक्रिया का सम्बन्ध अभिग्रहण अर्थात् सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्, बम्बई और उसके देहाती प्रतिनिधियों द्वारा जारी किए गए ग्रीन प्रमाण पत्रों के प्रस्तुतीकरण पर यू० के० प्राधिकारियों के समर्थ द्वारा यू० के० के लिए भारत से निर्यातित वस्त्रों की निकासी, 30 अप्रैल, 1975 तक यू० के० को

सूती वस्त्रों के निर्यातों के लिए यथा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया अर्थात् यथा निम्न उल्लिखित निर्यात प्रमाण-पत्रों की प्रस्तुत किए जाने की प्रक्रिया जारी रहेगी :—

- (1) निर्यातक को चाहिए कि वह निर्यात प्रमाण-पत्रों को निर्धारित प्रपत्र में दो प्रतियों में तैयार करे । प्रमाण-पत्र की एक प्रति जो निर्यात नियंत्रण प्राधिकारियों द्वारा विधिवत् प्रमाणित और सीमाशुल्क द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित होगी, वास्तविक पोतलदान कर लिए जाने के बाद पोतलदान के पत्तन पर रोक ली जाएगी जिसकी उगाही सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् के प्रतिनिधि द्वारा सीमाशुल्क से की जाएगी । इस प्रकार टैक्सप्रोसिल द्वारा उगाहा गया प्रमाण-पत्र व्यापार तथा उद्योग विभाग, लन्दन की आयात लासेंस शाखा को भेजा जाएगा । किसी भी सूरत में प्रमाण-पत्र निर्यातकों द्वारा सीधे ही नहीं भेजा जाएगा । उसी प्रकार के प्रमाणित और प्रमाणीकृत निर्यात प्रमाण पत्र की दूसरी प्रति निर्यातकों द्वारा रख ली जाएगी । निर्यातक या उनके शिपिंग एजेंटों को चाहिए कि वे इसका सुनिश्चय कर लें कि पोतलदान करने के बाद मूल निर्यात प्रमाण-पत्र सम्बद्ध निवारक अधिकारी द्वारा रख लिया गया है । लेकिन, पुनर्निर्यात कोटों के मद्दे पोतलदानों के संबंध में, पोतलदानों को निर्यात प्रमाण-पत्र तैयार करना जरूरी नहीं है क्योंकि आयातों के मद्दे पुनर्निर्यातों के लिए व्यापार तथा उद्योग विभाग, लन्दन को इसकी जरूरत नहीं होती ।
 - (2) बम्बई से किए गए वायुयान प्रेषणों के मामले में, निर्यातक निर्यात प्रमाण-पत्र की तीन प्रतियां तैयार करेंगे । प्रमाण-पत्र की तीसरी प्रति जो निर्यात नियंत्रण प्राधिकारियों द्वारा विधिवत् प्रमाणित होगी, टैक्सप्रोसिल के प्रतिनिधियों को सौंपी जाएगी क्योंकि वे उसे व्यापार तथा उद्योग विभाग, लन्दन की आयात लाइसेंस शाखा को भेजेंगे । निर्यात प्रमाण-पत्र की मूल तथा अनुलिपि प्रति उपर्युक्त पैरा (1) में बताए गए के अनुसार नियमानुसार वायु सीमाशुल्क विभाग को प्रस्तुत की जाएगी ।
 - (3) बम्बई से भिन्न स्थानों से वायुयान द्वारा किए गए प्रेषणों के संबंध में, निर्यातक निर्धारित प्रपत्र में तीन प्रतियों में निर्यात प्रमाण-पत्र तैयार करेंगे । टैक्सप्रोसिल के प्रतिनिधियों से लदान पर कोटा पृष्ठांकन प्राप्त करने के बाद, वे निर्यात प्रमाण पत्र की तीसरी प्रति को टैक्सप्रोसिल के प्रतिनिधि के पास रख देंगे क्योंकि वे उसे व्यापार तथा उद्योग विभाग, लन्दन की आयात लाइसेंस शाखा को भेजेंगे । इस के बाद निर्यातक, निर्यात प्रमाण पत्र की मूल तथा अनुलिपि प्रति उपर्युक्त पैरा (1) में बताए गए तरीक से नियमानुसार निर्यात नियंत्रण प्राधिकारियों एवं संबंधित पत्तनों के वायु सीमाशुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेंगे ।
- 6(ख) पुनर्निर्यात (आर० ई०) के मद्दे निर्यातों के मामले में संयुक्त मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात, बम्बई सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्, बम्बई द्वारा जारी किए गए कोटा प्रमाण-पत्रों के आधार पर पुनर्निर्यात लाइसेंस जारी करेगा । वे कोटा प्रमाण-पत्र टैक्सप्रोसिल द्वारा, जारी किए तब जाएंगे जब निर्यातकों से देवनालोजी रि-एक्सपोर्टे अन्डर टैकिंग मंत्रालय, यू० के० की प्रति की प्राप्ति हो जाती है ।

- 6(ग) जहां पर कोटा मूल रूप से घर पर ही रख लेने के विचार से पुनर्निर्यात किया जाता है तो निर्यातकों को यू० के० के टेक्नालोजी मंत्रालय द्वारा जारी किए गए पुनः पूर्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना पड़ेगा जिसके आधार पर बादवाला पुनर्निर्यात (एस०ई०) कोटा प्रमाण पत्र टेक्स प्रोसिल द्वारा जारी किया जाएगा। ऐसे एस० ई० कोटा प्रमाण पत्रों के मद्दे लाइसेंस संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात बम्बई द्वारा जारी किए जाएंगे।

बी० डी० कुमार,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।